अभ्यास के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. निम्नलिखित तंतुओं को प्राकृतिक तथा मानव निर्मित में वर्गीकृत कीजिए ।

उत्तर—प्राकृतिक तंतु → ऊन, रूई, रेशम, पटसन

मानव निर्मित तंतु → नॉयलॉन, पॉलिस्टर ।

प्रश्न 2. नीचे दिए गए कथन 'सत्य' है अथवा 'असत्य' उल्लेख कीजिए :

(क) तंतुओं से धागा बनता है ।

(ख) कताई वस्त्र निर्माण की एक प्रक्रिया है ।

(ग) जूट नारियल का बाहरी आवरण होता है ।

(घ) रूई से बिनौले (बीज) हटाने की प्रक्रिया को ओटना कहते हैं ।

(ङ) धागों की बुनाई से वस्त्र का एक टुकड़ा बनता है ।

(च) रेशम तंतु किसी पादप के तने से प्राप्त होता है ।

(छ) पॉलिस्टर एक प्राकृतिक तंतु है ।

उत्तर—(क) सत्य (ख) (सत्य) (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य (च) असत्य (छ) असत्य ।

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

(क) ....और .... से पादप तंतु प्राप्त किए जाते हैं ।

(ख) ....और .... जन्तु से मिलने वाले तंतु है ?

उत्तर— (क) सूत, जूट (ख) रेशम, ऊन

प्रश्न 4. सही विकल्प को चुनिए—

(क) वैसे वस्त्र के तन्तु जो पौधों एवं जन्तुओं से प्राप्त होते हैं, कहलाते हैं—

(i) प्राकृतिक तंतु (ii) मानव निर्मित तंतु

(iii) प्राकृतिक एवं मानव निर्मित तंतु

(iv) इनमें से कोई नहीं । **उत्तर**—(i)

(ख) मानव निर्मित तंतु हैं—

(i) पॉलिएस्टर (ii) नायलॉन

(iii) एक्रिलिक (iv) उपर्युक्त सभी **उत्तर**—(iv)

(ग) बिहार के निम्न जिले में जूट अधिक उगाया जाता है—

(i) कटिहार (ii) मधेपुरा

(iii) सहरसा (iv) उपर्युक्त सभी **उत्तर**—(iv)

(घ) रेशों से धागा बनाने की प्रक्रिया कहलाती है—

(i) कताई (ii) बुनाई

(iii) धुनाई (iv) रंगाई **उत्तर**—(i)

(ङ) धागे से वस्त्र बनाने की विधियाँ हैं—

(i) बुनाई (ii) बंधाई

(iii) बुनाई एवं बंधाई (iv) इनमें से कोई नहीं ।

उत्तर—(iii)

प्रश्न 5. रूई तथा जूट (पटसन) पादप के किन भागों से प्राप्त होता है ?

उत्तर—रूई कपास के पौधे का फूलों से प्राप्त होता है । जूट (पटसन) के पौधे के तने से प्राप्त किया जाता है ।

प्रश्न 6. नारियल तंतु से बननेवाली दो वस्तुओं के नाम लिखिए ।

उत्तर—नारियल तंतु से बननेवाली दो वस्तु निम्न प्रकार से है—

नारियल की रस्सी

नारियल से पैर पोछने वाला पौदान

प्रश्न 7. तंतुओं से धागा निर्मित करने की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर—रेशों से धागा बनाने की प्रक्रिया को कताई कहते हैं । इस प्रक्रिया में रूई के एक पुंज से रेशों को खींचकर ऐंठते हैं । ऐसा करने से रेशे आपस में गुथ जाते हैं और धागा बन जाता है । कताई के लिए तकली का उपयोग किया जाता है । इसमें एक दूसरी युक्ति का भी उपयोग कर सकते हैं जिसे चरखा कहते हैं ।